

**असमानता स्त्री.** (तत्.) 1. आकार, रूप, योग्यता, उपयोगिता आदि में समानता न होना, विषमता 2. भिन्नता विलो. समानता।

**असमाप्त वि.** (तत्.) 1. अपूर्ण, अधूरा 2. अर्थ. कोई वस्तु, सेवा, सुविधा, प्रत्याभूति आदि जिसके प्रयोग की अंतिम तिथि बीती नहीं हो, या अभी शेष हो विलो. समाप्त।

**असमाप्ति स्त्री.** (तत्.) 1. समाप्त न होने का भाव 2. अपूर्णता, अधूरापन।

**असमाहार पुं.** (तत्.) 1. अलगाव, पृथक्ता 2. अप्राप्त 3. असंग्रह, असमुच्चय विलो. समाहार।

**असमाहित वि.** (तत्.) अस्थिर चित्त, चित्त की एकाग्रता से रहित, जो अंतर्हित या लीन नहीं हो विलो. समाहित।

**असमिया स्त्री.** (तद्.) दे. असमी।

**असमी वि.** (तत्.) असम प्रदेश का, असम प्रदेश से संबंधित।

**असमीक्ष्यकारी वि.** (तत्.) भविष्य का विचार किए बिना कोई कार्य करने वाला।

**असमीचीन वि.** (तत्.) अनुचित, देश काल के अननुरूप, असमयोचित, अयथार्थ, गैरवाजिब, जो न्यायसंगत न हो विलो. समीचीन।

**असम्मत वि.** (तत्.) जिस पर सम्मति या सहमति या एक राय न हो, अविचारित, अस्वीकृत। विलो. सम्मत पुं. (तत्.) शत्रु।

**असम्मति स्त्री.** (तत्.) विपरीत मति, सम्मति का अभाव, असहमति, गैर-रजामंदी विलो. सम्मति।

**असम्मान पुं.** (तत्.) निरादर, अपमान। विलो. सम्मान।

**असम्मोह पुं.** (तत्.) 1. मोह या भ्रम का न होना, स्पष्टता 2. विचारपूर्वक कार्य करने की योग्यता, 3. शांति 4. शुद्ध ज्ञान।

**असम्यक् वि.** (तत्.) जो स्थान, काल और पात्र की दृष्टि से उचित न हो, अनुपयुक्त, खराब, कुत्सित, निंदनीय।

**असम्यक् असर पुं.** (तत्.+अर.) किसी अधिकारी, कर्मचारी आदि पर अपना काम करवाने के लिए अनुचित दबाव डलवाना या डालना। undue influence

**असम्यक् विलंब पुं.** (तत्.) बिना पर्याप्त कारण के किया गया या हुआ विलंब (जो हानिकर हो सकता है) undue delay

**असर पुं.** (अर.) 1. प्रभाव 2. दबाव 3. निशान, पदचिह्न 4. गुण।

**असरल वाक्य पुं.** (तत्.) दो या अधिक उपवाक्यों से बना वाक्य जिसके संयुक्त और संमिश्र दो भेद हैं, जटिल वाक्य।

**असल वि.** (अर.) 1. सच्चा, खरा, उच्च, श्रेष्ठ 2. वास्तविक पुं. (अर.) 1. शहद, मधु 2. बुनियाद 3. मूल धन पुं. (तत्.) 1. लोहा 2. अस्त्र।

**असलियत स्त्री.** (अर.) 1. वास्तविकता 2. तथ्य 3. जड़, मूल, बुनियाद 4. मूल तत्त्व, सार।

**असली वि.** (अर.) 1. सच्चा, खरा 2. मूल, प्रधान 3. शुद्ध, बिना मिलावट का विलो. नकली।

**असली सिक्का पुं.** (अर.) वह सिक्का जो नकली न हो, अर्थात् अधिकृत टकसाल में ढलन के बाद जारी किया गया हो विलो. नकली सिक्का।

**असवर्ण वि.** (तत्.) 1. भिन्न जाति का 2. ब्राह्मण-क्षत्रिय-वैश्य से भिन्न वर्ण का 3. व्या. वे (वर्ण) जो उसी वर्ग के न हो, भिन्न स्थान से उच्चरित होते हों।

**असह वि.** (तत्.) न सहने लायक, असह्य पुं. शत्रु।

**असहकार पुं.** (तत्.) सहयोग/सहकारिता का न होना।

**असहनीय वि.** (तत्.) दे. असह विलो. सहनीय।

**असहभाज्य संख्याएँ स्त्री.** (तत्.) गणि. ऐसी दो संख्याएँ जो एक दूसरे के सापेक्ष अभाज्य हों अर्थात् जिनका कोई उभयनिष्ठ गुणनखंड न हो। co-prime